Sanskrit Week organised @CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-08-2023**

संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की

हकेवि में संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ पर संबोधित करते स्वामी समर्पणानन्द।

महेंद्रगढ़ | हकेवि में संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

स्वामी समर्पणानन्द ने संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने का विशेष आग्रह किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस सम्बन्ध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-08-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से दो सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते स्वामी समर्पणानंद • सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानंद ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परीलक्षित की तथा संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने के लिए विशेष आग्रह किया।

इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डा. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख श्री अशोक बुचौली ने संस्कृत संभाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस संबंध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. सुमन रानी ने बताया कि दो सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 29-08-2023**

हकेंवि में संस्कृत सप्ताह शुरू

महेंद्रगढ़, 28 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से 2 सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएँ देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वामी समर्पणानन्द जी ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इसके पश्चात् कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना को समझाया। तत्पश्चात सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 29 August 2023
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 29-08-2023**

संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञानवर्धक: प्रो. टंकेश्वर

■ हकेंवि में संस्कृत सप्ताह की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 28 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से 2 सितम्बर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानन्द ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रंथों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने के लिए विशेष आग्रह किया।

हकेंवि में संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते स्वामी समर्पणानन्द।

गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को करवाया अवगत

इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस सम्बन्ध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितम्बर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों रेखा, रितु, तन्नू, सपना, दीपक, नयानिका, पूजा, रितिका एवं हिमांशा ने शास्त्रीय नृत्य व गीत-गायन आदि प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 25-08-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुई संस्कृत सप्ताह की शुरूआत

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से 2 सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को

संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएँ देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानन्द जी ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढने के लिए विशेष आग्रह किया। इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख श्री अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस सम्बन्ध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया ।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों रेखा, रितु, तन्नू, सपना, दीपक, नयानिका, पूजा, रितिका एवं हिमांशा ने शास्त्रीय नृत्य व गीत-गायन आदि प्रस्तुतियां दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 04-09-2023**

हकेवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित ह्वविश्वसंस्कृतसप्ताहह्व का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृतसंभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीपप्रज्वलन करते हुए विश्वसंस्कृतसप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है ।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होनें एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अन्त में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृतभारती के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तथा संस्कृत, योग, हिन्दी व अन्य विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 04-09-2023**

आयोजन

हेकेंवि महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन किया

संस्कृत को जोड़कर शोध करने पर बल दिया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन किया गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी।

संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञान राशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

समापन में उपस्थित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि, शिक्षक व प्रतिभा। स्रोत: हकेंविवि

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है। संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एक साथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्र पाठ, गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया। समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा, अर्चना, डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर, संस्कृत भारती के प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली, भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, रामसिंह गुर्जर, बिल्लू मेघनवास, भवानी शर्मा मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 04-09-2023**

हकेवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'विश्व संस्कृत सप्ताह' का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्न मंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अन्त में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया। इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृत भारती के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 04-09-2023**

हकेवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'विश्वसंस्कृतसप्ताह' का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृतसंभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीपप्रज्वलन करते हुए विश्वसंस्कृतसप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है ।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होनें एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अन्त में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया। इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृतभारती के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तथा संस्कृत, योग, हिन्दी व अन्य विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 04-09-2023**

हरियाणा केंद्रीय विवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीपप्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

विश्व संस्कृत सप्ताह में शामिल हुए प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि● सौजन्यः हकेंवि प्रवक्ता

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डा. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अंत में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डा. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 04-09-2023**

हकेंवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

'भारत के विश्वगुरु बनने में संस्कृत आवश्यक'

महेंद्रगढ़, 3 सितंबर (हप्र)

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'विश्व संस्कृत सप्ताह' का समापन हो गया। इस संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया।

इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होनें एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 04 September 2023
https://epaper.dainiktribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 04-09-2023**

हकेंवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत भाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टा तिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 04-09-2023**

हकेंवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृतः आचार्या सुकामा

संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए सिद्ध हो रहा लाभकारी

संस्कृत सप्ताह के समापन में उपस्थित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि, शिक्षक व प्रतिभागियों के साथ।

महेंद्रगढ़, 3 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विश्व संस्कृत सप्ताह' का समापन हो गया।

इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्न मंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया।

विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञान राशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया।

इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एक साथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मनोरम बनाया समारोह

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृत भारती के प्रांत सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तथा संस्कृत, योग, हिन्दी व अन्य विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।